वर्ष-15, अंक-222
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, रविवार, 17 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

समझनी है जिंदगी तो पीछे देखो, जीनी है जिंदगी तो आगे देखो!

शहीद भगत सिंह आज भी जिंदा है - हर्षित तोषनीवाल

शहीद-ए- आजम भगत सिंह का समूचा जीवन उनके साहस एवं देश प्रेम को कहानियों से भरा पड़ा है। शहीद-ए-आजम द्वारा लाहौर सेंट्रल जेल से परिवार और साथियों को लिखे गए पत्र आज भी उनके महान व्यक्तित्व की कहानी बयां करते हैं। इस बात का उल्लेख शहीद-ए-आजम भगत सिंह को अपना आदर्श मानने वाले हर्षित तोषनीवाल ने शहीद ए आजम भगत सिंह पर गलत टिप्पणी के दौरान ये बात हर्षित ने सभी के सामने रखी उन्होंने बताया कि 19 मार्च 1930 को शहीद-ए-आजम ने अपने पिता किशन सिंह को एक पत्र लिखा था जिसमें वतन के लिए उनकी मोहब्बत किसी को भी अपना बना लेती है। उन्होंने बताया कि उर्दू में लिखे गए इस पत्र का विवरण शहीद ए-आजम द्वारा जेल जीवन के समय लिखी गई डायरी के प्रकाशित अंशों में भी है। उन्होंने बताया कि शहीद-ए-आजम ने लिखा था कि पूज्य पिता जो मेरी जिदगी का मकसद आजाद हिंद के सिद्धांत के लिए कुर्बान हो जाना है इसलिए मेरी जिंदगी में आराम व दुनियादारी का कोई महत्व नहीं है। शायद आपको याद होगा कि जब मैं छोटा था तो बापू (दादा अर्जुन सिंह) ने मेरा नाम रखने के समय ऐलान किया था कि मुझे देश सेवा के लिए दान कर दिया है इसलिए मैं उस समय की प्रतिज्ञा पूरी कर रहा हूं। हर्षित ने शहीद ए आजम वीर भगत सिंह की पोती मंजुला द्वारा लिखे लेख को पढ़कर बताया कि बचपन में शहीद-ए-आजम भगत सिंह कां नामकरण करने के समय उनके दादा अर्जुन सिंह ने संकल्प लिया था कि वह अपने इस

पोते को देश की सेवा के लिए समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि फांसी के एक दिन पहले 22 मार्च 1931 को शहीद-ए-आजम ने अपने साथियों के नाम पत्र लिखा था और अपने दिल की बात रखते हुए कहा कि जीने की इच्छा मुझ में भी होनी चाहिए जिसे मैं छिपाना नहीं चाहता लेकिन एक शर्त पर जिंदा रह सकता हूं कि में कैद या पाबंद होकर जीना नहीं चाहता। मेरा नाम हिंदुस्तानी क्रांति का प्रतीक बन चुका है और क्रांतिकारी दल के आदर्शों तथा कुर्बानियों ने मुझे ऊंचा उठा दिया है, इतना ऊंचा की जीवित रहने की स्थिति में इससे ऊंचा में हरगिज नहीं हो सकता। अगर मैं फांसी से बच गया तो क्रांति का प्रतीक फीका पड़ जाएगा लेकिन दिलेर ढंग से हंसते- हंसते मेरे फांसी पर चढ़ने की सूरत में हिंदुस्तानी माताएं अपने बच्चों को भगत सिंह बनने की आरजू किया करेंगी और देश के लिए कुर्बानी देने वालों की संख्या बढ़ जाएगी कि क्रांति को रोकना, तमाम शैतानी शक्तियों के बलभूते की बात नहीं रह जाएगी। उन्होंने खुलासा करते हुए बताया कि शहीद-ए-आजम हिंसा के समर्थक हरगिज नहीं थे जिसका उल्लेख उन्होंने इस तरह किया था कि क्रांति का मतलब रक्त संघर्ष में नहीं है. क्रांति पिस्तौल और बंदूक को संस्कृति नहीं है तथा इसका मतलब है जुल्म करने वाली अंग्रेजो की सता बदलनी चाहिए। हर्षित तोषनीवाल ने बताया कि जिस तरह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने शहीद ए आजम वीर भगत सिंह के बारे में ये कहा कि भगत सिंह स्वतंत्रता सेनानी नहीं बल्कि आज की परिभाषा में एक आतंकवादी है इस बात का हर्षित ने काफी रोष जताया और हर्षित ने बताया कि इस कथन पर सरकार(पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की) को माफी मांगनी चाहिए। वो एक क्रांतिकारी को इस तरह आतंकवादी नहीं कह सकते। शहीद ए आजम वीर भगत सिंह ने हमेशा जनता के हितों और स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी है। शहीद भगत सिंह आज भी हम सभी युवा शक्ति के दिलों में जिंदा है। शहीद ए आजम वीर भगत सिंह ने अपने राष्ट्र को बचाने के लिए अपने कही साथियों के साथ अपने प्राण न्यौछावर कर दिए और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का उन्हें आतंकवादी कहना हरगिज गलत है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार को माफी मांगनी चाहिए।

लाल पानी पीकर फंस गये एक बड़े साहब

सुबह सरकारी डस्टबीन तलाशते मिले, जानिये क्या है पूरा माजरा?

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, बिहार में 2016 से शराबबंदी लागू है. लेकिन हकीकत क्या है, ये राज्य का हर आदमी जान रहा है. केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी तो लगातार कहते रहे हैं कि राज्य के ज्यादातर बड़े अधिकारी और नेता रोज शराब पीते हैं लेकिन उन्हें पकड़ने वाला कोई नहीं है. अब बिहार के सत्ता के गलियारे में एक बड़े अधिकारी की चर्चा आम है, जो गला तर करने के बाद अपनी ही करतूत से फंस गये।

साहब को लाल पानी मंहगा पड़ा

बिहार सचिवालय में अधिकारियों और कर्मचारी एक कहानी बड़े चटखारे लेकर सुना रहे हैं. ये कहानी है देश के सबसे प्रमुख सेवा से आने वाले एक अधिकारी की. वे राज्य मुख्यालय में ही तैनात भी हैं. साहब अक्सर लाल पानी से गला तर कर लेते हैं.

लेकिन इस बार नशा चढ़ने के बाद भारी गड़बड़ कर बैठे. हालत ये हुई कि उन्हें सुबह उजाला होने से पहले सरकारी डस्टबीन का खंगालना पड़ा.

जो चर्चा हो रही है उसके मुताबिक साहब ने रात में गला तर किया और

फिर खाली बोतल को ठिकाने लगाने का जुगाड़ भी कर लिया. उन्होंने घर में मौजूद एक डब्बे में खाली बोतल को डाला और आवास से थोड़ी दूर पर रखे गये सरकारी कूड़ेदान यानि डस्टबीन में डाल आये. बोतल ठिकाने लगाने के बाद साहब जब वापस घर में लौटे तो उन्हें अचानक से याद आया कि वे तो ऐसी गलती कर बैठे हैं जिससे भारी मुसीबत में पड़ सकते हैं.

अमेजॉन के डब्बे में पैक कर दिया था बोतल

चर्चा के मुताबिक साहब ने जिस खाली डब्बे में बोतल को डालकर फेंक दिया था, वह डब्बा उन्हें भारी मुसीबत में फंसा सकता था. दरअसल वह डब्बा ऑनलाइन डिलेवरी कंपनी अमेजॉन से आया था. उसके भीतर का सामान निकाल लिया गया था और डब्बा खाली पड़ा था. लेकिन डब्बे के उपर साहब का नाम-पता से लेकर मोबाइल नंबर तक छपा हुआ था. साहब नाम-पता हटाये बगैर उसी डब्बे में बोतल रखकर फेंक आये थे.

सुबह-सुबह कूड़ेदान खंगाला

साहब को जब तक इस बात का आभास हुआ कि वे कितनी बड़ी गलती कर बैठे हैं, तब तक बहुत रात हो चुकी थी. उस वक्त जाकर कूड़ेदान खंगालना संभव नहीं था. लिहाजा साहब को पूरी रात नींद नहीं आय़ी. लाल पानी का सुरूर तो ऐसे उतरा था कि पूछिये मत. पूरी रात साहब जागते रहे. जैसे ही सुबह का हल्का उजारा हुआ, वैसे ही साहब घर से निकल कर कूड़ेदान के पास पहुंच गये. कूड़ेदान को खंगाला और उसमें से वह डब्बा निकाला, जिसे पिछली रात फेंका था. साहब ने आनन फानन में उस डब्बे के उपर लगा अपने नाम-पता वाले कागज को उखाड़ा और उसके टूकड़े-टूकड़े किये. उसके बाद उन्हें चैन आया. अब फंसने का चांस नहीं है.

साहब का ये हाल चर्चा का विषय बना हुआ है. राज्य सचिवालय में इसकी खूब चर्चा हो रही है. दरअसल, खबर भी दिलचस्प तरीके से फैली. साहब ने अक्सर अपने साथ बैठकी करने वाले एक साथी को ये वाकया बता दिया. उनके दोस्त ने ये बात कुछ और लोगों को बतायी और कानो-कान ये मामला सैकड़ों लोगों तक पहुंच गया. वैसे साहब सेफ हैं, क्योंकि बोतल तो ठिकाने लग चुकी है. उसका साहब से लिंक स्थापित कर पाना अब मुमकिन नहीं है.

अब 28 नवंबर को होगी बहाली

अभ्यर्थियों के हंगामे के बाद आर्मी भर्ती रद्द

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, पटना के दानापुर में 17 नवंबर से आयोजित होने वाली आर्मी भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया गया है. यह फैसला अभ्यर्थियों के हंगामे की वजह से लिया गया है. दरअसल 2000 की क्षमता वाले ग्राउंड में 30 हजार अभ्यर्थी पहुंच गये थे. अभ्यर्थियों की भारी भीड़ होने की वजह से दानापुर कैंट में होने वाली भर्ती प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगाने का फैसला लिया गया है. जिसके बाद अब सेना की बहाली 28 नवम्बर को होगी.

एएसपी भानु प्रताप सिंह ने जानकीर देते हुए बताया कि 28 नवंबर से पूरे राज्य में जिलेवार भर्ती की जाएगी. पूरे बिहार के कैंडिडेट्स को अभी बुला लिया गया था. जिसके चलते भारी भीड़ काफी जमा हो गई थी और भर्ती प्रक्रिया में भी काफी परेशानी हो रही थी. दरअसल, दानापुर में टेरिटोरियल आर्मी भर्ती प्रक्रिया के 5वें दिन अभ्यर्थियों का हंगामां देखने को मिला. सैनिक चौक स्थित करियप्पा ग्राउंड में एंट्री नहीं मिलने के बाद अभ्यर्थियों हंगामा शुरू कर दिया. जिसके बाद बेकाबू होती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल का भी प्रयोग करना पड़ा. फिलहाल सैन्य अधिकारी इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं.

बता दें कि भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए पूरे बिहार से करीब 25 से 30 हजार की संख्या में अभ्यर्थी पहुंच गए थे, लेकिन ग्राउंड की क्षमता 1500 से 2000 लोगों की है. ग्राउंड के अंदर क्षमता के अनुसार अभ्यर्थियों को भेजा गया. जिसके बाद बाहर खड़े अभ्यर्थियों ने हंगामा शुरू कर दिया. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा. वहीं दानापुर सीडीपीओ दिव्या शक्ति, सिटी एसपी पश्चिमी सरथ आर एस, एसडीपीओ-1 भानु प्रताप सिंह, बीडीओ विभेष आनंद, सीओ चंदन कुमार के साथ कई थानों की पुलिस हंगामा की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची.

दो दुकानों में लगी भीषण आग

धुएं का गुबार देख सहमे लोग; लाखों रुपये के सामान जलकर राख

बिहार के गया जिले में दो दुकानों में भीषण आग लग गई। धुएं का गुहार देख आसपास के लोग सहम गए। इधर, फौरन फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाने में जुट गई। हालांकि आग बुझने तक दोनों दुकानों के सारे सामान जल कर राख हो गए। यह घटना गया जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के खैरात अहमद रोड की है। मिली जानकारी के मुताबिक गया के कोतवाली थाना क्षेत्र के खैरात अहमद रोड मुरारपुर स्थित 2 दुकान में भीषण आग लगी है। आग इतनी भयावह थी कि ट्रांसपोर्ट के ऊपरी तल्ले पर बाला जी इंटरप्राइजेज दुकान में भी आग लग गई है। दुकान के अंदर से धुएं का फब्बारा देख स्थानीय लोगों द्वारा फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई है। बताया जा रहा है कि रेडीमेड कपड़ा का गोदाम था। इसमें आग लगी है। अगलगी की घटना में दुकान के अंदर रखे सारे सामान जलकर राख हो गए। आग लगने की सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची है। आग इतनी भयावह थी कि फायर ब्रिगेड की 16 वाहनें मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड के कर्मी आग पर काबू पाने में जुट गई। एक घंटे तक कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। संभवत: शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटना हुई है। लेकिन, स्थानीय लोगों का कहना है कि लाखों रुपये के सामान के नुकसान की आशंका है। साथ ही आग लगने का कारण भी अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। फायर ब्रिगेड का कहना है कि नुकसान आकलन किया जा रहा है। दुकानदार से पूछताछ चल रही है।

LJPR की बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट महारैली स्थगित

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) ने 28 नवंबर को गांधी मैदान में आयोजित बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट संकल्प महारैली को स्थगित कर दिया है। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने दी है। उन्होंने बताया कि बिहार में चार विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव और अन्य राज्यों में विधानसभा के चुनाव को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की व्यस्तता के कारण यह निर्णय लिया गया है। दरअसल, कुछ दिन पहले ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी के माध्यम से पत्र जारी किया गया था जिसमें पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को बताया गया था कि स्थापना दिवस के मौके पर 28 दिसंबर को पटना के गांधी मैदान में बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट महारैली होगी। उसके बाद अब इसे स्थगित कर दी गयी है। इसके पीछे की वजह बताया गया कि बिहार में 26 नवंबर से 3 दिसंबर तक पैक्स चुनाव होने हैं। उसके साथ साथ बिहार के चार विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के साथ अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों में राष्ट्रीय अध्यक्ष की व्यस्तता रहेगी। शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष ने प्रेस कान्फ्रेंस करके इसकी विधिवत जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष से विचार विमर्श करते हुए यह महारैली अब आगामी वर्ष फरवरी या मार्च महीने में किया जाएगा। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की खबर के मुताबिक आगामी 28 नवंबर को पार्टी अपना स्थापना दिवस पटना स्थित कार्यालय में ही मनाएगी। तीन सालों के बाद चिराग पासवान अपने पिता रामविलास पासवान के पुराने कार्यालय में स्थापना दिवस मनाएंगे।

कोचिंग और ट्यूशन पढ़ाने वाले सरकारी टीचर्स पर होगी कार्रवाई

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, बिहार के सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले टीचर्स यदि कोचिंग और प्राइवेट ट्यूशन पढ़ाते हैं तो अब उनकी खैर नहीं। ऐसा करने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी यहां तक कि नौकरी से भी हाथ धोना पड़ सकता है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने साफ तौर पर आगाह किया है कि कोई भी सरकारी शिक्षक कोचिंग और ट्यूशन नहीं पढ़ाएंगे। यदि ऐसा किये तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वही सरकारी स्कूल के बच्चों को स्कूल टाइम में कोचिंग और ट्यूशन पढ़ने पर रोक लगायी गयी है। लेकिन कोचिंग में पढ़ने और ट्यूशन के लिए रोक नहीं है। स्कूल टाइम के बाद बच्चे किसी भी कोचिंग में पढ़ सकते हैं या फिर ट्यूशन पढ़ने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन स्कूल टाइम में वो यह काम नहीं कर सकते हैं। वही यदि यह पता चलता है कि सरकारी शिक्षक कोचिंग में पढ़ाते है और प्राइवेट ट्यूशन करते हैं तो इसकी पुष्टि होने के बाद सरकारी टीचर पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। यहां तक की उनकी नौकरी भी जा सकती है। वही स्कूल में शिक्षकों और छात्रों के रील्स बनाए जाने पर भी रोक लगाई गयी है।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने शिक्षक संवाद के दौरान यह बातें कही। उन्होंने शिक्षकों से साफ तौर पर कह दिया है कि वो प्राइवेट कोचिंग और ट्यूशन नहीं पढ़ाएंगे और ना ही कोचिंग ही संचालित करेंगे। यदि इस बात की जानकारी मिली तो नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है।